की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव के रूप में एक टर्मिनल भवन उपलब्ध कराया है । जबकि राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण की पोर्ट ब्लेयर पर हवाई पट्टी के विस्तार में सहयोग की कोई योजना नहीं है परन्तु अंडमान और निकोबार प्रशासन इस प्रकार के एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है । हवाई पट्टी के विस्तार के लिए भूमि अथवा भवन के अधिग्रहण के लिए किये जाने वाले किसी भी मुआवजे के ब्यौरे राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पास उपलब्ध नहीं हैं ।

वर्तमान हवाई अड्डा घनी जनसंख्या वाले क्षेत्र के एकदम निकट है ।

राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने कालीकट में एक नये हवाई अड्डे की स्थापना पर विचार करने हेतु केवल एक दृश्य स्थल निरीक्षण किया है । इस पर कोई राशि खर्च नहीं की गई । परियोजना पर ऊंची लागत और अधिक समय लगने के कारण इसे आगे नहीं चलाया गया और इसे व्यवहार्य नहीं पाया गया ।

Airports operating without night landing facility

1155. SHRI V. NARAYANASAMY : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether it is a fact that in some of the airports, in the country, night landing facilities are not available and flights are landing there; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA) : (a) and (b) The undermentioned airports controlled by the National Airports Authority, to which scheduled flights are being operated by Indian Airlines, do not have night landing facility :—

(i) Dibrugarh

(ii) Dimapur

(iii) Imphal.

Increase in international flights to Madras

1156. SHRI S. MADHAVAN : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the heavy air traffic on the Madras-London sector with passengers unable to get confirmation of their tickets for over six weeks;

(b) whether the British Airways and Lufthansa Airways wanted permission to operate their flights to Madras through Bombay; if so, what are the details thereof; and

(c) what steps have been taken by Government to increase the international flights to Madras ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA) : (a) to (c) British Airways and Lufthansa wished to operate to Madras only in combination with Bombay on the same service. However, Madras by itself, is a viable destination because of its tourism and other potentials and therefore, can justify direct international air services which have also been offered in course of the recent bilateral talks on air service. During biliateral negotiations with other countries, Madras is always offered as a point of call to foreign airlines generally on the principle of reciprocity.

New air route between India and Pakistan

1157. SHRI G. G. SWELL : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether a new route for international civil aviation to save distance and fuel has been agreed upon between India and Pakistan;

(b) if so, whether the new route has operational; and

(c) what is the amount saved by our national carrier Air India in terms of fuel since the opening of this route ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA) : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

बौद्ध स्थलों का विकास

1158. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बौद्ध स्थलों के विकास के लिए सरकार द्वारा कोई विशेष योजना बनायी गई है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस योजना में किन किन बौद्ध स्थलों को शामिल किया गया है ;

(ग) इस संबंध में राजगीर, बोध गया और वैशाली में अब तक क्या क्या कार्य हुए हैं और उनके लिए कितनी कितनी राशियां आबंटित की गई है, और

(घ) क्या इस संबंध में भारत सरकार के साथ कुछ अन्य देशों ने भी पहल की है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) और (ख) भारत में बौद्ध केन्द्रों का पता लगाने और उनको विकसित करने हेतु सिफारिशें करने के लिए केन्द्रीय पर्यटन विभाग ने दो कार्य बल गठित किए थे । पहल कार्य बल ने भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित केन्द्रों पर और दूसरे ने बौद्ध धर्म से संबंधित केन्द्रों पर कार्य आरम्भ कर दिया है ।

(ग) केन्द्र सरकार ने राजगीर, बोध गया और वैशाली में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए निम्नलिखित स्कीमें स्वीकृत की हैं :

	स्वीकृत राशि (लाख रु० में)
(1) राजगीर में कैफेटेरिया	2.50
(2) बोध गया में शौचालय और पेयजल सुविधाएं	3.00
(3) वैशाली में अभिषेक पुष्करणी का विकास	33.07
(4) बोध गया में कैफेटेरिया	7.84
(5) वैशाली, बोध गया और राजगीर में जन सुविधाएं	8.61
(6) वैशाली में कुटीरें	24.78

(घ) उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में जापान की सहायता से बौद्ध परिपथों का विकास किया जा रहा है । परियोजना की अनुमानित लागत 240.45 करोड़ रु० है और जापान से 9.224 मिलियन जापानी येन का लम्बी अवधि पर कम ब्याज का ऋण स्वीकृत हो गया है ।

अजन्ता और ऐलोरा के लिए 81.71 करोड़ रु० की अनुमानित लागत से एक व्यापक पर्यटन विकास योजना स्वीकृत हो गई है जिसमें से 3745 मिलियन जापानी येन की ऋण सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। राष्ट्रीय पार्क सेवा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने सारनाथ के संरक्षण, सौन्दर्यीकरण, प्रभावपूर्ण भूमि उपयोग और पर्यावरण संबंधी योजना के लिए संकल्पना योजना तैयार की है और अजन्ता और ऐलोरा क्षेत्र के लिए भी बिना किसी वित्तीय सहायता से संकल्पना योजना का एक प्रारूप तैयार किया गया है ।